**SSLC Exam Mar. 2021 Hindi – Question & Answer Paper**

**सूचनाः 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और 1 से 5 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। "साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?'' बेला ने पूछा। "और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला" साहिल ने पूछा। "मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?" "मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।" "क्यों साहिल?'' "पता नहीं क्यों"

1. अजमेर के स्कूल में साहिल कौन-सी कक्षा में पढ़ेगा? 1
   उः अजमेर के स्कूल में साहिल छठी कक्षा में पढ़ेगा।
2. 'मेरे' में निहित सर्वनाम कौन-सा है? 1
   क) वह ख) यह ग) मैं घ) तुम
   उः ग) मैं
3. साहिल और बेला अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने जा रहे हैं। क्यों? 3
   उः साहिल और बेला फुलेरा के एक स्कूल में पढ़ रहे थे। उनका स्कूल पाँचवीं कक्षा तक का था। दोनों पाँचवीं पास हो गए। इसलिए अगले साल उन्हें इस स्कूल को छोड़कर जाना पड़ता है। बेला के पापा कह रहे थे कि उसे राजकीय कन्या पाठशाल में पढ़ाएँगे और साहिल के पापा कह रहे थे कि उसे अजमेर के एक हॉस्टल में ठहराकर पढ़ाएँगे। याने बेला और साहिल अगले साल अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने जा रहे हैं। (ठहराकर – താമസിപ്പിച്ചിട്ട്, अलग-अलग വെവ്വേറെ)
4. कहानी के प्रसंग के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें। 5

*दृश्यः*

*स्थानः फुलेरा की एक गली।*
*समयः सुबह 11 बजे।*
*पात्रः 1. बेला, 10–11 साल की, स्कूल यूनिफ़ार्म में है।*
*2. साहिल, 10–11 साल का, स्कूल यूनिफ़ार्म में है।*

*संवादः*

*बेलाः साहिल, पाँचवीं का रिज़ल्ट आया है न। अब तुम कहाँ पढ़ोगे?*
*साहिलः और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?*
*बेलाः मेरे पापा मुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ानेवाले हैं। और तुम?*
*साहिलः मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।*
*बेलाः क्यों साहिल?*
*साहिलः पता नहीं क्यों। तुम्हारी आँखों में आँसू क्यों आ रहे हैं बेला?*
*बेलाः मुझे क्या पता? तुम्हारी आँखें भी लाल हैं, डबडबा रही हैं। मैं चिढ़ाऊँ रोनी सूरत साहिल?*
*(दोनों मुस्कुरा रहे थे, लेकिन उनकी आँखें भर गई थीं।)*
(दोनों विभिन्न दिशाओं में चले जाते हैं।)

5. साहिल और बेला अलग होनेवाले हैं। इससे बेला दुखी है। वह अपने विचारों को डायरी में लिखती है। बेला की संभावित **डायरी** लिखें। 5

*तारीखः .....*

*आज हमारा रिज़ल्ट आया। मैं और साहिल पाँचवीं पास होकर छठी में आ गए। हम दोनों रिज़ल्ट पर खुश थे। लेकिन अगले साल मैं राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़नेवाली हूँ और साहिल अजमेर के एक हॉस्टल में रहकर पढ़नेवाला है। सालों से एकसाथ पढ़नेवाले दोनों अलग–अलग स्कूलों में जानेवाले हैं। रिज़ल्ट जानकर हम हँस रहे थे लेकिन उसके बाद हमारी आँखें भर गई थीं। क्या करें! अगले साल मुझे नए मित्र मिलेंगे। लेकिन साहिल बहुत अच्छा दोस्त है और उसकी दोस्ती भी खास है। मैं उसे भूल नहीं सकती। आज का दिन मैं कभी भूल नहीं सकती।*

**सूचनाः 'टूटा पहिया' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और 6 से 9 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

6. 'मुझे फेंको मत' – यह कौन कहता है? 1
   क) रथ  ख) महारथी  ग) टूटा पहिया  घ) ब्रह्मास्त्र
   उः टूटा पहिया
7. विशेषण शब्द पहचानकर लिखें। 1
   दुरूह चक्रव्यूह
   उः दुरूह
8. यह आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें। 3
   –रथ का टूटा चक्र कहता है कि मुझे फेंकना नहीं चाहिए।
   उः मैं
   रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
   लेकिन मुझे फेंको मत!

9. कवि और कविता का परिचय देते हुए पंक्तियों का आशय लिखें। 5

*'टूटा पहिया ' हिंदी के प्रसिद्ध कवि धर्मवीर भारती की एक प्रतिकात्मक कविता है। महाभारत के पौराणिक प्रसंग पर आधारित होकर यह कविता लिखी गई है। इस कविता के द्वारा कवि लघु मानव की प्रधानता पर बल देते हैं।*

*कवि महाभारत के एक पौराणिक प्रसंग का सहारा लेते हैं। चक्रव्यूह को भेदकर उसमें प्रवेश किया अभिमन्यु उसमें फँस जाता है। कौरव पक्ष के सभी महायोद्धा एकसाथ मिलकर अभिमन्यु पर आक्रमण करते हैं। उसके घोड़े, रथ, हथियार– सब नष्ट कर देते हैं। तब उसे रथ का एक टूटा पहिया ही एकमात्र सहारा बन जाता है। इस टूटे पहिए की सहायता से वह उन महारथियों*

*से थोड़ी देर के लिए अपनी रक्षा करता है और अंत में मारा जाता है।*

*यहाँ एक सारहीन या तुच्छ टूटा पहिया ही वीर योद्धा अभिमन्यु के लिए सहायक बनता है। इसी प्रकार समाज के तुच्छ माने जानेवाले मानव भी क्रांति (विप्लव) के वाहक बन सकते हैं और सामाजिक परिवर्तन संभव करा सकते हैं। अतः हमें यह मानना चाहिए कि समाज के तुच्छ माने जानेवाली बातें भी कभी–न–कभी बड़ी सहायक हो सकती हैं।*

*वर्तमान समाज में भी तुच्छ माने जानेवाले मानव का महत्वपूर्ण स्थान है। सच्चे प्रजातंत्र में कोई भी व्यक्ति तुच्छ नहीं होता। शासन का निर्णय भी उसके हाथों से हो सकता है। याने यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है। (पौराणिक संदर्भ – പുരാണ സന്ദർഭം सहारा लेना – ആശ്രയം स्वीकरिक्कक फँस जाना – കുടുങ്ങുക एकसाथ मिलकर – ഒന്നിച്ചുചേർന്ന് हथियार – ആയുധം, एकमात्र सहारा – ഏകാശ്രയം सारहीन – നിസ്സാരമായ सामाजिक परिवर्तन – സാമൂഹ്യമാറ്റം, संभव कराना – സാധ്യമാക്കുക, कभी–न–कभी – ചിലപ്പോഴെങ്കിലും प्रजातंत्र – ജനാധിപത്യം शासन – ഭരണം)*

**सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फ़िल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और 10 से 13 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

> हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला–बदली का। यानी मेरे टिफ़िन के राजमा–चावल उसके और उसके घर से आया बड़ा–सा छाछ का डिब्बा मेरा। उसे पता था कि छाछ मेरी कमज़ोरी है। लेकिन मुझे मोरपाल से मिलने से पहले कतई अंदाज़ा नहीं था कि मेरे लिए राजमा जैसी सामान्य–सी चीज़ किसी के लिए इतनी खास हो सकती है।

10. मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा क्या था? 1

उः मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा खाने की अदला–बदली का था।

11. छाछ किसकी कमज़ोरी है? 1

उः छाछ मिहिर की कमज़ोरी है।

12. उचित वाक्यांश चुनें, वाक्यों की पूर्ति करें। 5

- टिफ़िन में लाता था।
- छाछ लाता था।
- स्कूल के दोस्त थे।
- खाने की अदला–बदली होती थी।
- साधारण–सी चीज़ थी।

क) मिहिर और मोरपाल .....

ख) मिहिर और मोरपाल के बीच .....

ग) मिहिर राजमा–चावल .....

घ) मोरपाल अपने घर से .....

ङ) मिहिर के लिए राजमा .....

उः

| | |
|---|---|
| क) मिहिर और मोरपाल | स्कूल के दोस्त थे। |
| ख) मिहिर और मोरपाल के बीच | खाने की अदला–बदली होती थी। |
| ग) मिहिर राजमा–चावल | टिफ़िन में लाता था। |
| घ) मोरपाल अपने घर से | छाछ लाता था। |
| ङ) मिहिर के लिए राजमा | साधारण–सी चीज़ थी। |

13. मिहिर स्कूल के अनुभवों के बारे में मामाजी को पत्र लिखता है। मामाजी के नाम मिहिर का संभावित पत्र लिखें। (पत्र का कलेवर 70 शब्दों में हो) 5

स्थानः .....,
तारीखः .....

प्यारे मामाजी,

सादर प्रणाम! आप कैसे हैं? घर में सब ठीक हैं न? मैं यहाँ ठीक हूँ, मेरी पढ़ाई अच्छी तरह चल रही है।

मैं इस पत्र के द्वारा अपने स्कूल के अनुभवों का वर्णन करना चाहता हूँ। मेरे स्कूल में मेरा सबसे अच्छा मित्र है मोरपाल। हम दोनों कक्षा में एकसाथ बैठते हैं, एकसाथ खाना खाते हैं। वह एक गरीब लड़का है। उसका घर स्कूल से 15 किलोमीटर दूर है। मोरपाल साइकिल चलाता हुआ स्कूल आता है। उसके घर से लाया गया छाछ मुझे बहुत पसंद है। खेल घंटी में हम खाने की अदला–बदली करते हैं। उसे तो मेरा राजमा–चावल बहुत पसंद है। मेरे सभी दोस्त अच्छे हैं। लेकिन मुझे स्कूल जाना और यूनिफार्म पहनना उतना पसंद नहीं है। फिर भी मैं रोज़ स्कूल जाता हूँ।

शेष बातें अगले पत्र में। मामी जी और भाई–बहनों को मेरा हैलो बोलिएगा।

आपका भानजा,
(हस्ताक्षर)
मिहिर पाण्डेय।

सेवा में

नामः .....
पताः.....
.....।

(सादर प्रणाम – ആദരവോടെയുള്ള വന്ദനം, हैलो बोलिएगा– ഹലോ പറഞ്ഞേക്കണേ, भानजा – മരുമകൻ)

**सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' पाठ का यह अंश पढ़ें और 14 से 16 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते। सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है।

14. कवि के अनुसार हताश व्यक्ति को जानने का मतलब क्या है? 1

क) उसके ओहदे को पहचानना। ख) उसकी मुसीबतों को पहचानना।

ग) उसका नाम पहचानना। घ) उसकी जाति पहचानना।

उः ख) उसकी मुसीबतों को पहचानना।

15. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें। 2

(अपरिचित; पड़ा)

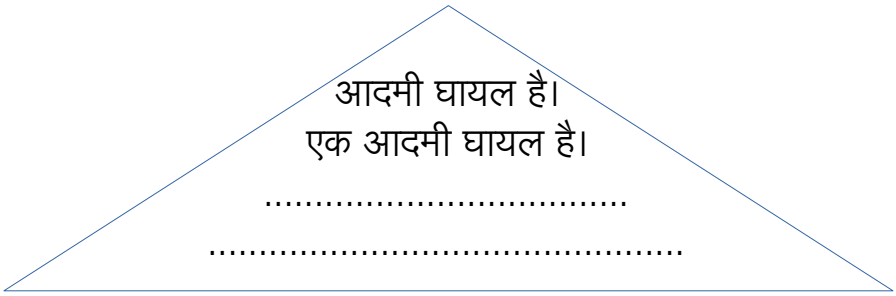


उः

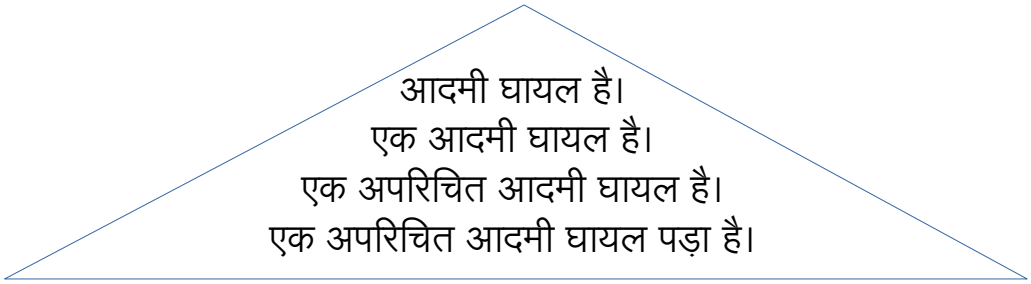


16. अगस्त 19 विश्व मानवता दिवस के अवसर पर 'ज्वाला कला समिति जैसलमेर' विश्व प्रेम, भाईचारा आदि संदेशों का प्रचार करने जा रही है। इसके लिए एक **पोस्टर** तैयार करें।

**अगस्त 19 विश्व मानवतावादी दिवस**

*जातीय, धार्मिक और रंग संबंधी असमानता दूर करें।*

*विश्व प्रेम का प्रचार करें।*

*भाईचारा बनाए रखें।*

*असहायों की मदद करें।*

ज्वाला कला समिति, जैसलमेर

(धार्मिक – മതപരമായ, रंग संबंधी – വർണ്ണസംബന്ധമായ, भाईचारा – സാഹോദര്യം असहाय – അശരണർ)

सूचनाः 'सबसे बड़ा शो मैन' जीवनी का यह अंश पढ़ें और 17 से 21 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गाना अभी आधा ही हुआ था कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई। चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा। इस बात ने हॉल को हंसीघर में तब्दील कर दिया। तब तक मैनेजर एक रूमाल लेकर आया और पैसे बटोरने लगा।

17. चार्ली को स्टेज पर गाना पड़ा। क्यों? 1

क) माँ की आवाज़ फटने से। ख) दर्शकों की माँग से।

ग) माँ के दोस्तों के कहने से। घ) माँ की ज़िद से।

उः क) माँ की आवाज़ फटने से।

18. चार्ली की किस घोषणा ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया? 1

उः चार्ली की घोषणा थी कि पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा। इस घोषणा ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

19. तीन सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। 3

क) चार्ली का गाना सुनकर लोग खुश हो गए।

ख) चार्ली के गाने से लोग कोलाहल मचाने लगे।

ग) चार्ली को शंका हुई कि मैनेजर पैसे लेना चाहता है।

घ) चार्ली की माँ पैसे बटोरने लगी।

ङ) चार्ली ने पैसे बटोरने के बाद गाना चाहा।

उः क) चार्ली का गाना सुनकर लोग खुश हो गए।

ग) चार्ली को शंका हुई कि मैनेजर पैसे लेना चाहता है।

ङ) चार्ली ने पैसे बटोरने के बाद गाना चाहा।

20. चार्ली को स्टेज पर भेजने के संबंध में माँ और मैनेजर के बीच की संभावित **बातचीत** लिखें।

मैनेजरः हैना जी, देखिए न, दर्शक हल्ला मचा रहे हैं। उनको किसी–न–किसी तरह शांत कराना होगा।

हैनाः मैं क्या करूँ, गा नहीं पा रही हूँ। मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाती है।

मैनेजरः लेकिन इसी तरह दर्शकों को छोड़ दें तो वे सबकुछ तोड़ देंगे। आपका बेटा है न चार्ली, वह छोटा है लेकिन किसी तरह इन दर्शकों को शांत कराए तो..

हैनाः नहीं जी। पाँच साल का छोटा बच्चा इस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा। मैं नहीं मानूँगी।

मैनेजरः हमारे सामने और कोई चारा नहीं है न। इसलिए बता रहा हूँ। क्योंकि मैंने आपके बेटे को आपके मित्रों के सामने अभिनय करते हुए और गीत गाते हुए देखा था। मुझे लगता है कि इस हालत में उसकी सहायता लेना ठीक होगा।

हैनाः लेकिन मैं कैसे बताऊँ, इस छोटे बच्चे को स्टेज पर भेजने के लिए। मुझे डर लग रहा है।

मैनेजरः हम सब तो हैं न। उसे अकेले छोड़कर हम नहीं जा रहे हैं।

हैनाः मैं क्या कहूँ सर। और कोई उपाय नहीं तो आपकी मर्जी।

(किसी–न–किसी तरह – എങ്ങനെയെങ്കിലും, मैं नहीं मानूँगी – ഞാൻ സമ്മതിക്കില്ല, चारा – ഉപായം मर्जी – ഇഷ്ടം)

21. चार्ली का गाना बहुत अच्छा था। दर्शक खुश हुए। इस घटना की रपट समाचार पत्र में आई। संकेतों की सहायता से **रपट** लिखें। 5

- चार्ली की माँ हेन्ना का स्टेज शो
- आवाज़ फटने से लोगों का कोलाहल
- माँ के बदले चार्ली स्टेज पर
- खुशी से लोगों की तालियाँ

## माँ की आवाज़ फटीः छोटा बच्चा बना शो मैन

आल्डरशॉः गायिका माँ की आवाज़ फटी, पाँच साल के छोटे बच्चे ने स्टेज सँभाला। कल लंदन के आल्डरशॉट के सिंफ़णी ऑडिटोरियम में एक संगीत सभा चल रही थी। कार्यक्रम के बीच में गायिका की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई। दर्शक शोर मचाने लगे और चिल्लाने लगे। जब दर्शकों की शोर असह्य हो गया, गायिका हेन्ना चैप्लिन ने स्टेज जाने दिया। कार्यक्रम के मैनेजर के ज़िद करने पर विवशता से गायिका ने अपना छोटा बेटा, चार्ली को स्टेज पर छोड़ दिया। थोड़ी देर में चार्ली मशहूर गीत जैक जोन्स गाकर दर्शकों को वश में कर लिया। लोग बहुत खुश होकर स्टेज पर पैसे बरसाने लगे। बच्चे ने गीत गाने के साथ ही दर्शकों से बातचीत की, अभिनय किया और विभिन्न कलाकारों का नकल किया। शोरगुल से भर गया हॉल हँसीघर में बदल गया।(स्टेज सँभालना – സ്റ്റേജ് നിയന്ത്രിക്കുക, असह्य होना – അസഹ്യമാവുക, विवशता – നിസ്സഹായത, शोरगुल – ഒച്ചപ്പാട്, ബഹളം वश में करना – വശത്താക്കുക)

**सूचनाः 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का यह अंश पढ़ें और 22 से 25 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

> गंगी ने पानी न दिया। खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी इतना जानती थी, परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है। बोली– "यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है। कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।'' जोखू ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा– "पानी कहाँ से लाएगी? ''

22. यहाँ पानी की खराबी दूर करने का क्या उपाय बताया गया है? 1

उः यहाँ पानी की खराबी दूर होने के लिए बताया गया उपाय है– पानी को उबालना।

23. सही विकल्प चुनकर लिखें। 1

क) गंगी बोलता है। ख) गंगी बोलते हैं।
ग) गंगी बोलती है। घ) गंगी बोलता हूँ।

उः ग) गंगी बोलती है।

24. जोखू ने पूछा– "पानी कहाँ से लाएगी? ''– इस शंका के क्या–क्या कारण हैं? 3

उः जोखू के गाँव में उच्च जातिवाले ठाकुर और साहू के– दो कुएँ हैं। निम्न जाति के लोगों के कुएँ का पानी खराब हो गया था। निम्न जातिवाले लोगों को ठाकुर और साहू के कुओं से पानी लेने की अनुमति नहीं है। इसलिए जोखू ने गंगी से ऐसा कहा।

25. संकेतों की सहायता से गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें। 5

- ठाकुर का कुआँ कहानी की स्त्री पात्र।
- पति के स्वास्थ्य का ध्यान रखनेवाली।
- आत्मविश्वास दिखानेवाली।
- विद्रोही दिलवाली।

## गंगी की चरित्रगत विशेषताएँः टिप्पणी

मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका है गंगी। वह निम्न जाति की मानी जाती है। उसका पति जोखू बीमार है। पति को पीने का पानी देने पर पता चला कि वह बदबूदार है। इससे गंगी परेशान होती है। ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाने पर जोखू डाँटता है कि 'हाथ–पाँव तुड़वा आएगी, बैठ चुपके से।' लेकिन वह पीछे मुड़नेवाली नहीं थी। रात को चुपके–चुपके वह ठाकुर के कुएँ से पानी लाने जाती है। अत्यधिक सावधानी से पानी लेते समय ठाकुर का दरवाज़ा खुलता है और गंगी वहाँ से बच जाती है। उसका विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करता है। वह पूछती है– 'ये लोग क्यों ऊँच हैं और हम क्यों

नीच हैं? ' उसके मन में उच्च जातिवालों के प्रति विद्रोही भावना उठ जाती है। वह अपने पति से बहुत प्यार करती है। वह जानती है कि गंदा पानी पीने से बीमारी बढ़ जाती है। लेकिन बेचारी अनपढ़ गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी उबालने से उसकी खराबी दूर होती है। संक्षेप में कहें तो प्रेमचंद जी गंगी को एक आदर्श भारतीय नारी के रूप में प्रस्तुत करने में बिलकुल सफल हुए हैं।

**सूचनाः 'दिशाहीन दिशा' यात्रावृत्त का यह अंश पढ़ें और 26 से 28 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

> बूढ़े मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी। उसका गला काफ़ी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। काफ़ी देर चप्पुओं को छोड़ वह झूम–झूमकर गज़लें सुनाता रहा। एक के बाद दूसरी, फिर तीसरी। मैं नाव में लेटा उसकी तरफ़ देख रहा था। उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनियान तक नहीं थी।

26. 'शायराना' का मतलब क्या है? 1

क) दोस्त के समान ख) मल्लाह के समान

ग) कवि के समान घ) प्रकृति के समान

उः ग) कवि के समान

27. सही वाक्य चुनकर लिखें। 1

क) मल्लाह गज़लें सुनाने लगा। ख) मल्लाह गज़लें सुनाना लगी।

ग) मल्लाह गज़लें सुनाने लगीं। घ) मल्लाह गज़लें सुनाना लगे।

उः क) मल्लाह गज़लें सुनाने लगा।

28. बूढ़े मल्लाह की वेश–भूषा कैसी थी? 2

उः बूढ़ा मल्लाह एक गरीब नाविक था। उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनियान तक नहीं थी।

**सूचनाः 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और 29 से 31 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

> कार्ड हाथ में आया तो गुठली का मुँह उतर गया। वह ताऊजी के पास जाकर बोली, "देखिए भइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया?'' ताऊजी बोले, "भूला नहीं है रे... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।'' गुठली, "पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे–से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा...।''

29. गुठली के हाथ में किसकी शादी का कार्ड था? 1

उः गुठली के हाथ में उसकी बहन की शादी का कार्ड था।

30. गुठली का मुँह उतर गया। क्यों? 2

उः अपनी बहन की शादी के कार्ड में भइया के छोटे से बच्चे का नाम तक छपा था। लेकिन गुठली का नाम नहीं था। यह देखकर गुठली का मुँह उतर गया।

31. यहाँ किस सामाजिक अन्याय की झलक मिलती है? 3

उः गुठली से ताऊजी बोलते हैं– "भूला नहीं है रे... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।'' यह प्रस्ताव लिंगपरक असमानता व्यक्त करनेवाला है। लड़का हो या लड़की– दोनों का समानता का अधिकार है। लेकिन छोटे से बच्चे का नाम कार्ड पर छपते समय भी लड़की होने से गुठली का नाम छोड़ दिया गया है। यह बिल्कुल अन्याय है। (लिंगपरक असमानता – ലിംഗാസമത്വം, समानता का अधिकार – സമത്വാവകാശം)